

पत्र नं. 1164 दिनांक 07.04.2025 द्वारा अग्रार्थी मोहन लाल/लाधूराम/महेन्द्रप्रताप/गुलाबराम के

बनाम

अग्रार्थीगण

शंकर शंकर पुत्र गुलाबराम जाति जाट निवासी पन्नीवाली तहसील टिब्बी जिला हनुमानगढ़।

शंकर लाल पुत्र लाधूराम जाति जाट निवासी पन्नीवाली तहसील टिब्बी जिला हनुमानगढ़।

महेन्द्र कुमार पुत्री गुलाबराम जाति जाट निवासी पन्नीवाली तहसील टिब्बी जिला हनुमानगढ़।

महेन्द्र कुमार पुत्र गुलाबराम जाति जाट निवासी पन्नीवाली तहसील टिब्बी जिला हनुमानगढ़।

शंकर पुत्री गुलाबराम जाति जाट निवासी पन्नीवाली तहसील टिब्बी जिला हनुमानगढ़।

शंकर कुमार पुत्र लाधूराम जाति जाट निवासी पन्नीवाली तहसील टिब्बी जिला हनुमानगढ़।

महेन्द्र कुमार पुत्र गुलाबराम जाति जाट निवासी पन्नीवाली तहसील टिब्बी जिला हनुमानगढ़।

तहसीलदार राजस्व संगरिया।

अग्रार्थीगण

-आदेश-

अनुगत प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 251 क (1) आरटी.एक्ट के संक्षेप में तथ्य इस प्रकार है कि अग्रार्थी के नाम चक 16 एकटीपी खाता संख्या 314/87 खाता पुष्पा ज.स. 2073-76 आराजी दर्ज राजस्व काबू है। उक्त आराजी में आने-जाने के लिए अर्थात् आवागमन के लिए कोई मन्जूर शुदा रास्ता नहीं है। उक्त वजह से प्रार्थीया अपनी आराजी में सही ढंग से काश्त नहीं कर सकती प्रार्थीया को अपनी आराजी में आने-जाने/काश्त करने के लिए मन्जूर शुदा रास्ता की नितान्त आवश्यकता है। इसलिए प्रार्थीया अग्रार्थीगण के नाम से दर्ज कृषि भूमि में से चक 16 एकटीपी पं.नं. 175/248 मु.नं. 45 किला नं. 4 व 5 में पूर्व से पश्चिम पत्थर लाईन के साथ साथ चिपटा हुआ 2-2 बिस्वा रास्ता स्वीकृत किये जाने का निवेदन किया।

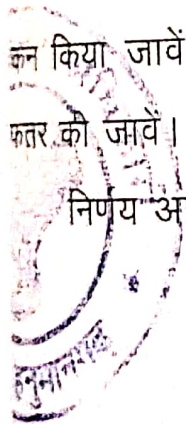
प्रार्थना-पत्र पेश होने पर दर्ज रजिस्टर किया जाकर अग्रार्थीगण को जरिये नोटिस तलब किया गया। अग्रार्थीगण बावजूद सूचना उपस्थित नहीं आये। इस कार्यालय द्वारा तहसीलदार संगरिया से उक्त रास्ता के प्रकरण को सही रूप से निस्तारण करने एवं मौका की जांच रिपोर्ट चाही जाने पर उन्होंने अपने पत्र क्रमांक 1164 दिनांक 07.04.2025 द्वारा अग्रार्थी मोहन लाल/लाधूराम/महेन्द्रप्रताप/गुलाबराम के मन्जूर प.न. 175/248 मु.न. 45 के किला नं. 15/2 गै.मु. रास्ता से किला नं. 15/1, 14 से होकर अग्रार्थी की कृषि भूमि खाता संख्या 87/63 में प्रवेश कर अपनी भूमि में प्रवेश कर सकेगा जिससे औकार के लिए व प्रार्थीया व अन्य काश्तकारों द्वारा प्रस्तावित रास्ता (प.न. 175/247 मु.न.36 किला नं. 4 व 5/1 के टिकनी पारसे) वाली समस्या का समाधान हो जाएगा अर्थात् 175/548 (45) किला 15/2, 15/1, व 14 से अग्रार्थी राजपूत परिवार (समस्त) को रास्ता मिल जावेगा व 175/247 (36) किला नं. 4 व 5/1 में रास्ते की आवश्यकता समाप्त हो जावेगी व अग्रार्थीगण की भूमि के टुकड़े नहीं होना व प्रार्थीया को रास्ता की आवश्यकता होना बतलाते हुए रास्ता स्वीकृत किये जाने की अनुशंसा की है।


प्रार्थीया को आवश्यकता होना बतलाते हुए रास्ता स्वीकृत किये जाने की अनुशंसा की है। प्रार्थीया ने तहसीलदार से प्राप्त रिपोर्ट का अवलोकन किया गया, मुताबिक रिपोर्ट रास्ता की आवश्यकता है, रास्ता की मांग सुविधा के लिये नहीं की जा रही है जबकि आवश्यकता होने पर स्वीकृत करवाना चाहता है।

मोहन लाल
अग्रार्थी

उपर्युक्त विवेचन के आधार प्रार्थना-पत्र प्रार्थी राजस्थान काश्तकारी अधिनियम धारा 251 ए के
ना पत्र के निस्तारण हेतु "रास्ते की आत्यंतिक आवश्यकता" एवं वैकल्पिक रास्ते का अभाव पर विचारण
नया। रिपोर्ट तहसीलदार से स्पष्टतया प्रकट होती है कि प्रार्थीया की कृषि भूमि चक 16 एफटीपी में
करने बाबत जाने हेतु मन्जूर शुद्धा रास्ते का अभाव होने से रास्ते की आत्यंतिक आवश्यकता है। अतः
रास्ता सुविधा के लिए नहीं अपितु आत्यधिक आवश्यकता के लिए है। अतः न्यायहित में प्रार्थना-पत्र
धारा 251 ए आरटीए में अप्रार्थी के रकबा में से चक 16 एफटीपी के प.न. 175/248 मु.न. 45
न. 14,15 की दक्षिणी पासे पर पूर्व से पश्चिम 2-2 बिस्वा चौड़ा रास्ता स्वीकृत किया जाता है और
धिया के नाम से चक 16 एफटीपी में दर्ज कृषि भूमि में से उक्तानुसार कृषि भूमि का अप्रार्थीगण को
तदार काश्तकार घोषित किया जाकर अप्रार्थी की कब्जा अनुसार इनके चिपती भूमि इनके नाम राजस्व
कार्ड में अंकन किया जावे। तहसीलदार राजस्व संगरिया को निर्देशित किया जाता है कि उक्तानुसार
कन किया जावें। तहसीलदार संगरिया को पालनार्थ लिखा जावें। पत्रावली फ़ैसला शुमार होकर दाखिल
फ़तर की जावें।

निर्णय आज दिनांक...6.6.2022...को मेरे द्वारा लिखाया जाकर सरे इजलास सुनाया गया।




(जय कौशिक)
उपर्युक्त अधिनियम
संगरिया